

जाएँ। किसी हालत में यह कारखाना बम्बई में नहीं होना चाहिए। इन शब्दों के साथ मैं हमारे मित्र श्री पुगलिया जी ने जो मसला उठाया है उससे पूरी तरह से सहमत हूँ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI) : I think that both of you should also bring it to the notice of the Chief Minister of Maharashtra.

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव : हम जल्द मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहेंगे कि वे इस बारे में कदम उठाये।

श्रीमती सुधा विजय जोशी (महाराष्ट्र) : उपसभाध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय सदस्य श्री पुगलिया जी ने जो प्रश्न उठाया है वह बहुत ही महत्वपूर्ण है और खास करके आपके लिए और हमारे लिए और महाराष्ट्र के लोगों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि आप भी बम्बई से आते हैं और मैं भी बम्बई से आती हूँ। आप जानते हैं कि बम्बई बहुत ही घनी आबादी का शहर है। ऐसे शहर में अगर इतना खतरनाक कारखाना बनेगा तो इससे बहुत ही बड़ी आपत्ति आ सकती है। इसलिए इतने बड़े शहर में यह कारखाना न हो क्योंकि पहले ही बम्बई के ऊपर बहुत सी आपदाएँ हैं। आप जानते हैं कि बम्बई महाराष्ट्र की और हमारे देश की शान है। इसलिए अगर इस शहर में यह कारखाना लगाया जाएगा तो बम्बई पर बहुत बड़ी विपत्ति आ जाएगी। मैं चाहूँगी कि इस कारखाने को बहुत ही रिमोट एरिया में लगाया जाए जहाँ पर आबादी न हो और जहाँ पर इस प्रकार

की विपत्ति आने का डर न हो। बम्बई शहर में ऐसा कारखाना नहीं होना चाहिए और घनी आबादी के किसी भी शहर में नहीं होना चाहिए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI) : Many Members want to associate with this. I think the whole House wants to associate with this. We will take it like that.

Remunerative Prices for Sugarcane Growers

श्री शान्ति त्यागी (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे विशेष उल्लेख की अनुमति दी, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मेरा यह स्पेशल मेशन अक्टूबर में शुरू होने वाले गन्ना सीजन के बारे में है और मेरे स्पेशल मेशन की मंशा यह है कि आने वाले सीजन में गन्ने का जो मूल्य है वह कम से कम 32 रु. फी क्विंटल किया जाए। पिछले वर्ष सूखे के कारण हमारे किसानों की आर्थिक दशा खोखली हो गई। लेकिन गन्ना पैदा करने वाले किसानों ने इस सूखे का हिम्मत के साथ मुकाबला किया। हमारी सरकार ने भी हर मीके पर प्रधानमंत्री के निर्देश पर किसानों की सहायता की और जो भी सहायता संभव थी, वह मदद किसानों की है इसके लिए हम सरकार के बहुत आभारी हैं। सूखे के बावजूद किसानों ने गन्ने की भारी पैदावार की है और गन्ने के उत्पादन में गिरावट नहीं आई है। देश के गन्ना बोने वाले किसानों का इस सदन को मुबारकवाद देनी चाहिये, बधाई देनी चाहिये। मान्यवर, अब अक्टूबर 88 से, एक महीने के बाद गन्ने

[श्री शान्ति त्यागी]

की पिराई शुरू हो जायेगी। गन्ने का उत्पादन लागत बढ़ गया है। मान्यवर, आप भी ऐसे प्रदेश से आते हैं जहाँ गन्ना बड़ी मात्रा में पैदा होता है। मान्यवर, खेतों में काम करने वाले कृषि मजदूरों की मजदूरी बढ़ गई है। मैं एक मिसाल यहाँ पर देना चाहता हूँ। जब गन्ना खेत में बड़ा हो जाता है तो उसको बांधा जाता है। बहुत से भाई नहीं जानते हैं कि वह गिरे नहीं इसलिए उनके पेड़ों को मिलाकर बांधते हैं। तो एक कच्चा बीघा के गन्ने को बांधने के लिये अगर किसी मजदूर को रखें तो वह 30 रुपये गन्ना बांधने का चार्ज करता है। जब कि कुछ दिन पहले यह मजदूरी सिर्फ 5 रुपये थी। इसमें 25 रुपये का इजाफा हो गया है। इसलिये उपसभाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार से मेरी मांग है कि किसानों की आर्थिक दृष्टि को ध्यान में रखते हुए गन्ना पैदा करने वाले किसानों को कम से कम 32 रुपये प्रति क्विंटल गन्ने की कीमत की घोषणा इस सदन में करें।

अंत में मैं गन्ने की दरों में तबदीली के साथ साथ सरकार से यह भी आग्रह करूँगा कि चीनी मिलों को लगाने के संबंध में केंद्रीय सरकार की जो नीति है वह बहुत सख्त है। उसको थोड़ा उदार करें और जहाँ चीनी मिल खोलने की जरूरत है, जहाँ पर इसके लिये किसानों की मांग है और जहाँ गन्ना उपलब्ध है वहाँ चीनी मिलों को खोलने के लिये सरकार लाइसेंस दे। यह मांग भी मेरी आपके माध्यम से सरकार से है।

अंत में मैं पुनः कहना चाहूँगा कि कम से कम 32 रुपये गन्ने का मूल्य निश्चित किया जाए और चीनी मिलों के

खोलने के बारे में उदार नीति सरकार बनाये यह मेरा आग्रह है। मैं आशा करता हूँ, उपसभाध्यक्ष महोदय, कि इस वक्त जो माननीय सदस्य यहाँ पर बैठे हैं, इस सदन में बैठे हैं, जहाँ तक मैं समझता हूँ सब किसान हैं और कोई भी गैर किसान मंत्री यहाँ पर नहीं है। इसलिये वे एक राय से इस सदन के माध्यम से यह मांग करें कि गन्ने का मूल्य कम से कम 32 रुपये प्रति क्विंटल किया जाए और चीनी मिलों को खोलने के बारे में सरकार अपनी नीति को उदार बनाये।

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव :
(महाराष्ट्र) : मैं शान्ति त्यागी का समर्थन करता हूँ।

श्री राम चन्द्र विकल (उत्तर प्रदेश)
मैं मांग करता हूँ कि

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESHDESAI): After this, there are two more special mentions, and after that is over, Shri Bhajan Lai will make a statement.

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव (महाराष्ट्र) :
इसका हम समर्थन करना चाहेंगे। यह गन्ने का मुसला है और इस संबंध में त्यागी जी ने जो कहा है हम उससे विलुल सहमत हैं ताकि किसानों का एक्सप्लोइटेशन न हो। हम सब इसका समर्थन करते हैं।

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : हो गया है पूरे सदन का समर्थन।

Need for Financial Assistance to Gujarat

श्री छोटूभाई मुखाभाई पटेल (गुजरात) :
उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम